एंथ्रेक्स

(तिल्ली ज्वर)

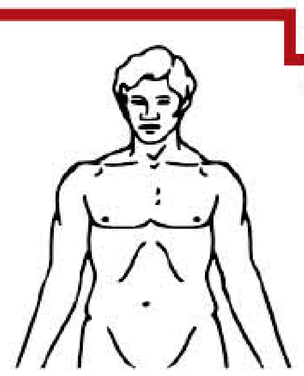

एंथ्रेक्स, भैंस, भेड़, बकरीयों का एक तीव्र व्यापक संक्रामक रोग है
संक्रमित पशुओं से इसका संक्रमण मनुष्यो को भी हो सकता है

यह मिट्टी जनित संक्रमण है
भारत में रोग का प्रकोप कुछ राज्यों में स्थानिक है

संचरण

- एंथ्रेक्स के स्पोर मिट्टी मे कई सालो तक जीवीत रहते है
- संदूषित चारा और पानी के माध्यम से
- श्वसन के माध्यम से और मक्खियों द्वारा
- भेडो के ऊन और खाल मे मौजुद स्पोर द्वारा

संक्रमित मृत पशु के सड़न से स्पोर मिट्टी में मिल जाते है

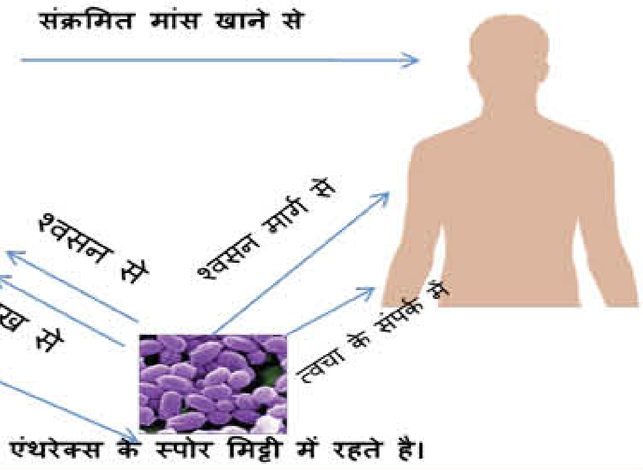

एंथ्रेक्स का संचरण

पशुओं में लक्षण

- शरीर के तापमान में अचानक वृद्धि (104 - 108°F)
- गुदा, नाक, योनी आदि से रक्त का स्राव
- अफरा, पेचिश या दस्त
- अचानक मृत्यु

नाक से रक्त स्राव

गुदा से रक्तस्राव

मनुष्यों मे लक्षण (तीन प्रकार)

1.

त्वचा पर न ठीक होने वाला घाव

2.

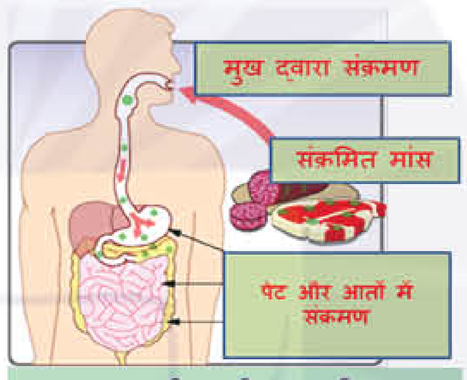

बुखार, खूनी उल्टी या खूनी दस्त, सिरदर्द, लाल चेहरा और पेट मे सूजन

3.

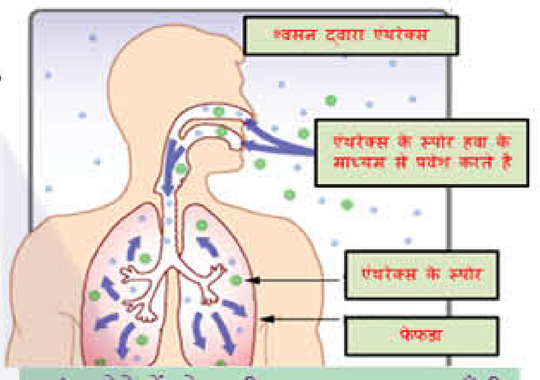

सांस लेने में परेशानी, चक्कर आना, खाँसी मतली, उल्टी, या पेट दर्द और बुखार

नियंत्रण

- रोग प्रकोप होने पर तुरंत अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे
- मृत जानवरों को काटना नही चाहिए, न ही उनकी चमड़ी निकलनी चाहिए
- ऐसे जानवरो को गहरा गढढा खोदकर दफना देना चाहिए तथा उसमे चुना मिला दे
- 10% कास्टिक सोडा या फ़ार्मेलिन या 3% पर एसिटीक एसिड का उपयोग करके शेड की पूरी तरह सफाई करे
- जिन स्थानो पर इस रोग का प्रकोप देखा गया है वहा पशु को ना चरने दे
- भेडो से ऊन निकालते समय मास्क का प्रयोग करे

एंथरेक्स से मरे हुए पशुओं को जलाए नहीं

इससे स्पोर हवा में फैल सकते है

पशु शव को गहरा गढढा खोदकर दफना दे

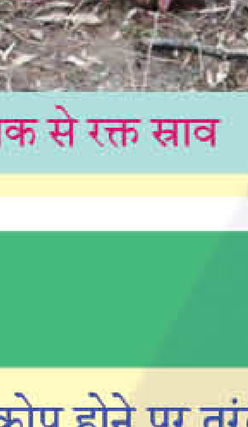

टीकाकरण

जिन स्थानो पर रोग का अक्सर प्रकोप होता है
उन क्षेत्रों में मानसून के आगमन से पहले हर साल
एंथ्रेक्स स्पोर टीका @ 1 मिलीलीटर त्वचा के नीचे दिया जाता है
अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे

भाकृअनुप
ICAR

भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान
ICAR- National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics
पोस्ट बॉक्स 6450, यलहंका, बेंगलुरु 560064, कर्नाटक
फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080- 23093222, वेबसाईट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in

राप जा सू वि सं
NIVEDI

फोटो स्रोत : इन्टरनेट